भारत सरकार
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4102
19 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी की स्थिति

4102. श्री सुनील कुमारः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम-यू) के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में कार्य जोर-शोर से चल रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की बिहार के वाल्मीकि नगर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए शौचालयों का निर्माण करने की कोई योजना है;

(ग) यदि हां, तो इसे कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है; और

(घ) एसबीएम के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के उपयोग का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री
(श्री तोखन साहू)

(क): भारत सरकार ने खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) के उद्देश्य से और देश के शहरी क्षेत्रों में उत्पन्न नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) के वैज्ञानिक प्रसंस्करण के लिए दिनांक 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम-यू) शुरू किया। चरण- । के अंतर्गत हुई प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए, एसबीएम - शहरी 2.0 को दिनांक 1 अक्टूबर, 2021 को देश के सभी शहरी स्थानीय निकायों में नगरपालिका ठोस कचरे के स्रोत पृथक्करण, घर-घर जाकर संग्रह और वैज्ञानिक प्रसंस्करण के माध्यम से "कचरा मुक्त" स्थिति प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। सभी राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों में एसबीएम-यू 2.0 के अंतर्गत परियोजनाओं का कार्यान्वयन विभिन्न चरणों में है। परियोजनाओं का विवरण https://sbmurban.org/swachh-bharat-mission-progress पर उपलब्ध है।

(ख) से (घ) स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के लिए संचालन दिशानिर्देशों में शौचालयों के निर्माण के लिए कोई विशिष्ट तकनीक निर्धारित नहीं की गई है। शहरी आबादी के लिए राज्य

द्वारा उठाई गई मांग के आधार पर एसबीएम के अंतर्गत शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है। प्रौद्योगिकियों का चयन यूएलबी/राज्य सरकारें स्वयं कर सकती हैं, जिससे उन्हें केंद्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण इंजीनियरिंग संगठन (सीपीएचईईओ) मैनुअल और समय-समय पर जारी परामर्शिकाओं में उल्लिखित किसी भी प्रामाणिक तकनीक को चुनने की अनुमति मिलती है।

*****